13. निरौपचारिक शिक्षा (Non-formal Education)—औपचारिक तथा अनौपचारिक दोनों प्रकार की शिक्षा की अपनी सीमाएँ हैं। एक तरफ औपचारिक शिक्षा कठोर है, दूसरी तरफ अनौपचारिक शिक्षा लचीली तथा असंगठित है। आज के समय में यह महसूस किया जा रहा है कि जो कमियाँ औपचारिक तथा अनौपचारिक शिक्षा में पाई जाती हैं उन्हें निरौपचारिक या सतत् शिक्षा द्वारा दूर किया जाना चाहिए। यह शिक्षा न तो औपचारिक शिक्षा की तरह स्कूल, कालिज या विश्वविद्यालय तक ही सीमित है और न ही अनौपचारिक शिक्षा की भाँति आकस्मिक तथा प्राकृतिक है। यह औपचारिक तथा अनौपचारिक शिक्षा के बीच की कड़ी है। इसका मुख्य केन्द्र बिन्दु विद्यालय से बाहर की जनसंख्या है तथा इसके कार्यों में जन शिक्षा, कार्य शिक्षा, कौशलों, तकनीकों तथा जीवन शैली में सुधार के लिए शिक्षा सम्मिलित की जाती है। वैज्ञानिक तथा तकनीकी विकास के फलस्वरूप ज्ञान में विस्फोट के कारण इस सम्प्रत्यय का विकास शिक्षा के विकास पर अन्तर्राष्ट्रीय समिति की रिपोर्ट 'लर्निंग टू बी' के प्रकाशन के पश्चात् हुआ। इस समिति द्वारा यह महसूस किया गया कि शिक्षा पर इतने वित्तीय साधनों के खर्च करने के पश्चात् भी, जनसंख्या का एक बहुत बड़ा भाग शिक्षा से वंचित रह जाता है। वे जीविका कमाने में व्यस्त रहते हैं, इसीलिए वे निश्चित समय में औपचारिक शिक्षा संस्थाओं में शिक्षा प्राप्त नहीं कर

Scanned with CamScanner

सकते। इसीलिए समिति द्वारा यह सुझाव दिया गया कि ऐसे लोगों के लिए जो शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक हैं, अवकाश के समय में उचित शिक्षा का प्रबन्ध किया जाना चाहिए।

भारत में इस प्रकार की शिक्षा अत्यावश्यक है। परिणामस्वरूप बहुत से कार्यक्रम जैसे— प्रौढ़ शिक्षा, पत्राचार शिक्षा, मुक्त विश्वविद्यालय से शिक्षा आदि प्रारम्भ किए गए हैं। उनका उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग का सामाजिक तथा आर्थिक विकास करना है। यह जीवन केन्द्रित तथा वातावरण आधारित है तथा व्यक्तियों को भविष्य में परिवर्तन के लिए तैयार करती है।

मैकाल (McCall) के शब्दों में, "निरौपचारिक शिक्षा नियमित ग्रेडिड स्कूल प्रणाली से बाहर अधिगम अनुभव प्रदान करना है।"

("Non-formal education is the entire range of learning experiences outside of the regular graded school system.")

कोम्बज (Combs) के शब्दों में, "निरौपचारिक शिक्षा ऐसी शिक्षा है जो औपचारिक शिक्षा संस्थानों से बाहर स्थित संगठनों तथा संस्थाओं द्वारा प्रदान की जाती है।"

("Non-formal education is one which imparted through organisations and institutions outside the formal education.")

ब्रैनवर्क (Brenwork) के शब्दों में, "निरौपचारिक शिक्षा तथा औपचारिक शिक्षा में वह अन्तर है जो समीपता और तत्काल कार्य में तथा कार्य और अधिगम के प्रयोग के अवसर में है।"

("Non-formal education differs from formal education, from proximity to the immediate action, work and opportunity to put the learning to use.")

अत: निरौपचारिक शिक्षा अधिक जनसंख्या वाले देश के लिए अति उपयुक्त है। इसके अन्तर्गत विद्यार्थी अपनी आजीविका कमाने के साथ-साथ भी शिक्षा प्राप्त कर सकता है।

Scanned with CamScanner